लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2018-2020

स्वच्छता अभियान में बंट रहे हैं जूट के बैग

(ब्यूरो) पर्यावरण के सुरक्षा मे घातक साबित हो रही पालीथीन के इस्तेमाल को रोकने के लिये विरामखड मे रह रहे प्रो. भरत राज सिंह दस वर्षो से जागरूकता अभियान चला रहे है। इसके तहत वह लोगों को पालीथीन का उपयोग बंद करने और कपडे, जूट और कागज के थैले का इस्तेमाल करने के लिये प्रोत्साहित करते हैं।

डॉ. भरत राज सिह, उत्तर-प्रदेश राजकीय निर्माण निगम से वर्ष 2004 मे प्रबंध-निदेशक के पद से सेवानिवृत होने के बाद प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया तथा जूट के बैग के उपयोग को बढावा देना शुरू किया। गोमतीनगर के विराम खंड-5 मे घर-घर जाकर जूट व कपडे के बैग बाटने लगे। कुछ दिनो मे उनके साथ कालोनीके दूसरे बुजुर्ग लोग भी इनके इस अभियान मे साइल हो गये। डॉ. भरत सिह कहते है कि लखनऊ की आबादी लगभग 43 लाख है और करीब 25.30 करोड बैग का इस्तेमाल प्रतिमाह किया जा रहा है। इससे जमीन, पानी और हवा सब प्रदूषित होती है। इसका खामियाजा आनेवाली पीढी को उठाना पडेगा।

डॉ. सिह का कहना है कि पालीथीन सडको से नालो से जाता है, जो शहर का ड्रैनेज सिस्टेम चौपट करता है। जानवर भी पालीथीन खा जाते है। इन सब कों रोकने के लिये ही उन्होने लोगो को धर-घर जाकर जूट व कपडे के थैले के फायदे बताने शुरू किए। वह लोगो को अपनी गाडी या स्कूटर मे हमेशा एक जूट या कपडे के बैग रखने और खानेदूपीने की चीजो को कागज या पत्ते की प्लेटो मे लेनेके लियेजागरूक करते है। साथ ही वह लोगो को पालीथीन के उपयोग के खतरो के बारे मे जानकारी देते है। दुकानो पर जूट से बने बैग की संख्या बढाने के लिये इसके उत्पादन मे नई-नई डिजाइन की सलाह देते है और अपना पैसा भी लगाते है। कालोनी के लोग इनकी इस मुहिम मे बढ-चढकर भाग ले रहे है।

आज जब भारत सरकार ने स्वच्छता पखवारा मना रहा है तो डॉ. सिह ने कपास या जूट बैग के इस्तेमाल जो बायोडिग्रेडेबल ;स्वाभाविक तरीके से नष्ट होने वाला है, को बढावा दे रहे है और विराम-5, गोमती नगर के वरिष्ठ नागरिको को खादी-आश्रम के थैले जिसपर राष्ट्रपिता गांधी जी का संदेश लिखा है, श्खादी वस्त्र नही, संदेश है को बाटा।

उनका यह मानना है कि लोगो द्वारा यदि इसे अपनालिया जाय तो शहर मे आधे से ज्यादा कूडे का संकट समाप्त हो जायेगा। आज एस0एम0एस0 मे एक तरफजहाँ विश्वकर्मा की जयंती जहा धूम-धाम से मनाई गई वही छात्र-छात्राओ मे स्वच्छता अभियान के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनो से बने थैले का उपयोग करने की सलाह दिया।

स्वच्छता अभियान में लोगों को जागरुक करते पर्यावरणविद प्रो. भरत राज सिंह